Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

J—9105

PAPER—III

PRAKRIT

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **36** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

PRAKRIT

प्राकृत

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given herewith.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंको का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

1. ਮਰੇ ਹੋਏਲਾਪੁਰਲ ਕੁ ਇਸ ਕਿਵੇਂ ਕਹਿੰਦਾ ਮਰ ਗਿਆ ਹੈ ?

अनुच्छेद का ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए –

Answer the following questions keeping in view the above text.

ਸਰਲ ਅਤੇ ਸਾਫ਼ ਅਤੇ ਸ਼ਾਂਤ ਸੁਭਾਅ ਦੀ ਔਰਤ ਸੀ ਜੋ ਆਪਣੇ ਪਤੀ ਦੇ ਮਰਨ ਤੇ ਇਕੱਲੀ ਰਹਿ ਗਈ ਸੀ। ਉਹਨੂੰ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕੋਈ ਗਿਲਾ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਮਿਲਦੀ ਸੀ ਜਾਂ ਕਿਸੇ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ ਸੀ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਇਹ ਜਾਣਦੀ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਦੀ ਸੀ ਅਤੇ ਕਿਸੇ ਤੋਂ ਕੁਝ ਲੈਣ ਦੀ ਇਛਾ ਵੀ ਨਹੀਂ ਸੀ ਕਰਦੀ। ਉਹ ਆਪਣੇ ਪਤੀ ਦੀ ਮੌਤ ਤੇ ਇਕੱਲੀ ਰਹਿ ਗਈ ਸੀ ਪਰ ਉਹ ਕਦੇ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਦੁਖ ਬਾਰੇ ਨਹੀਂ ਦੱਸਦੀ ਸੀ। ਉਹ ਆਪਣੇ ਪਤੀ ਦੀ ਮੌਤ ਤੇ ਇਕੱਲੀ ਰਹਿ ਗਈ ਸੀ ਪਰ ਉਹ ਕਦੇ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਦੁਖ ਬਾਰੇ ਨਹੀਂ ਦੱਸਦੀ ਸੀ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਇਹ ਜਾਣਦੀ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਦੀ ਸੀ ਅਤੇ ਕਿਸੇ ਤੋਂ ਕੁਝ ਲੈਣ ਦੀ ਇਛਾ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ ਸੀ। ਉਹ ਆਪਣੇ ਪਤੀ ਦੀ ਮੌਤ ਤੇ ਇਕੱਲੀ ਰਹਿ ਗਈ ਸੀ ਪਰ ਉਹ ਕਦੇ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਦੁਖ ਬਾਰੇ ਨਹੀਂ ਦੱਸਦੀ ਸੀ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਇਹ ਜਾਣਦੀ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਦੀ ਸੀ ਅਤੇ ਕਿਸੇ ਤੋਂ ਕੁਝ ਲੈਣ ਦੀ ਇਛਾ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ ਸੀ। ਉਹ ਆਪਣੇ ਪਤੀ ਦੀ ਮੌਤ ਤੇ ਇਕੱਲੀ ਰਹਿ ਗਈ ਸੀ ਪਰ ਉਹ ਕਦੇ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਆਪਣੇ ਦੁਖ ਬਾਰੇ ਨਹੀਂ ਦੱਸਦੀ ਸੀ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ਇਹ ਜਾਣਦੀ ਸੀ ਕਿ ਉਹ ਕਿਸੇ ਨੂੰ ਕੁਝ ਨਹੀਂ ਦੇ ਸਕਦੀ ਸੀ ਅਤੇ ਕਿਸੇ ਤੋਂ ਕੁਝ ਲੈਣ ਦੀ ਇਛਾ ਵੀ ਨਹੀਂ ਕਰਦੀ ਸੀ।

ਇਸ ਅੰਸ਼ਾਵਲੀ ਦੇਵਾਨ ਦਿਸਦੀ ਹੈ

(5 x 5 = 25 अंक)

ਕੁ ਤਕਰੀਰ ਲਾਕੁ ਕੁਕਰ ਕੁਕਰ ਕੁ ਹੈ।

आर: इस अनुच्छेद में निम्नलिखित अवतरण पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। सभी प्रश्नों के उत्तर प्राकृत में दीजिए।

अनुच्छेद- I

(5 x 5 = 25 marks)

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and carries five (5) marks. Answer all questions in Prakrit only.

SECTION - I

2. उपर्युक्त शिलालेख में क्या नहीं करने के निर्देश हैं?

3. उपर्युक्त शिलालेख में राजा की पाकशाला में पहले क्या होता था? अब क्या होता है तथा आगे क्या होगा स्पष्ट कीजिये।

4. उपर्युक्त शिलालेख में प्रयुक्त लिपी का नामोल्लेख कीजिये।

5. समाजम्हि तथा राञो में प्रयुक्त कारक विभक्ति बताइये।

SECTION - II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. Answer all questions in Prakrit.

(5 x 15 = 75 marks)

खंड- II

नोट: इस खंड में पाँच (5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर प्राकृत में ही दें।

(5 x 15 = 75 अंक)

6. जो सहस्सं सहस्साणं, संगामे दुज्जए जिणे। एगं जिणेज्ज अप्पाणं एस मे परमो जओ।।

Translate the above verse with reference to the context.

उपर्युक्त गाथा का सप्रसङ्ग अनुवाद कीजिये।

7. Illustrate any one rule for change in vowel in Prakrit Grammar.
प्राकृत – व्याकरण में स्वर – परिवर्तन के किसी एक नियम को सोदाहरण समझाइये।

8. Write the meaning of Ratna-traya
रत्नत्रय का अर्थ बताइये।

9. Disjoin the Sandhi in the following :

निम्नलिखित में सन्धिविच्छेद कीजिये:

(1) सादूदग (2) नरेसर

10. Write any two salient features of Khandakavya. (Lyric) and name any one Khandakavya.

खण्डकाव्य की कोई दो प्रमुख विशेषताएँ बताइये और किसी एक खण्डकाव्य का नामोल्लेख कीजिये।

11. Define astikaya

अस्तिकाय किसे कहते हैं ?

12. Conjugate the root 'hasa' in lat lakara (Present tense).

'हस' धातु के लट्लकार वर्तमान काल में रूप लिखिये।

13. Define taddhita giving any one example.

'तध्दित' किसे कहते हैं? कोई एक उदाहरण दीजिये।

14. Define 'Pudgala'

'पुद्गल' की परिभाषा लिखिये।

15. Give the types of 'Anupreksa'

अनुप्रेक्षा के भेद बताइये।

16. Write the difference between Samvara and Nirjara.

संवर और निर्जरा का भेद प्रतिपादित कीजिये।

17. Decline the word 'Mala'.

'माला' शब्द के रूप लिखिये।

18. Give the names of Mahavratas.

महाव्रतों के नाम लिखिये।

19. Write a note on Pancastikaya.

जैन दर्शन के अनुसार पञ्चास्तिकाय का निरूपण कीजिये।

20. इमं पि जातिधम्मयं एयं पि जातिधम्मयं

इमं पि वृड्ढिधम्मयं एयं पि वृड्ढिधम्मयं

इमं पि चित्तमंतयं एयं पि चित्तमंतयं

इमं पि छिण्णं मिलाति एयं पि छिण्णं मिलाति

इमं पि आहारगं एयं पि आहारगं

इमं पि अणितियं एयं पि अणितियं

इमं पि असासयं एयं पि असासयं

इमं पि चयोवचइयं एयं पि चयोवचइयं

इमं पि विप्परिणामधम्मयं एयं पि विप्परिणामधम्मयं

Which are the two types of living organism compared in this text?

प्रस्तुत गद्यांश में किन दो जीवों की तुलना की गई है?

SECTION - III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about 200 words, in Prakrit only.

(12 x 5 = 60 marks)

खंड - III

नोट: इस खंड में बारह (12) अंको के पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित हैं, केवल प्राकृत में ही दे।

(12 x 5 = 60 अंक)

21. Translate the following with reference to the context .

निम्नलिखित का सप्रसंङ्ग; अनुवाद कीजिये।

भइरावणन्ददिण्णमन्तप्पहावेण देवी भवणुज्जाणे केदईलदाए एक्को दाव पसवो दंसिदो। तस्स ताए देवीए दलसंपुडेहिं अज्ज हिन्दोलअप्पभजणीए चउत्थीए हरवल्लहा देवीअच्चिदा। अण्णं च दलसंपुडजुअलं उण कणिट्ठवहिणीआए कप्पूरमञ्जरीए पसादीकिदं। ताए वि एक्केण दलसंपुडेण भअवदी गोरी जेव्व अच्चिदा।

22. Write a note on Prakrit Prosody Literature.

प्राकृत वृत्त साहित्य पर एक टिप्पणी लिखिये।

23. Explain the nature of <u>ajiva dravya.</u>

<u>अजीव</u> द्रव्य का स्वरुप समझाइये।

24. "Prakrit elements are tracable in Vedic Literature" Explain.

"छान्दस साहित्य में प्राकृत भाषा के तत्त्व विद्यमान हैं" –व्यारव्या कीजिये।

25. Introduce any one of the Sauraseni Agamas.

किसी एक शौरसेनी आगम ग्रन्थ का परिचय दीजिये.

SECTION - IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. Answer in Prakrit only.

(40 x 1 = 40 marks)

खंड - IV

नोट: इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है. जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है। केवल प्राकृत में ही उत्तर दें।

(40 x 1 = 40 अंक)

26. Discuss the origin and development of Prakrit language.

प्राकृत भाषा के उद्‌भव और विकास का विवेचन कीजिये।

अथवा

Write an essay in Prakrit on any one of the following.

निम्नलिखीत में ये किसी एक विषय पर प्राकृत में निबन्ध लिखिये-

(i) अहिंसा

(ii) कुंदकुंदो

(iii) पाइय कव्वं

(iv) जिणसासणं

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....